नियमित सेवाएं उपलब्ध
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. प्रेम मित्तल
एम.बी.बी.एस., डी.एम. कार्डियोलॉजी
Interventional Cardiologist
मो. : 72309-40000
टांटिया जनरल हॉस्पिटल
सुखाड़िया मार्ग, श्रीगंगानगर
0154-2481505, 94139-50724
An ISO 9001/2008 Certified Hospital

tmedia@tantiauniversity.com

टी मीडिया

टांटिया समूह, श्रीगंगानगर का गौरवशाली प्रकाशन

बीकानेर सम्भाग में पहली बार विश्व की अत्याधुनिक व बड़ी
M.R.I. (एम.आर.आई.)
1.5 Tesla (16 Channel)
मशीन द्वारा जांच अब श्रीगंगानगर में
टांटिया जनरल हॉस्पिटल
सुखाड़िया मार्ग, श्रीगंगानगर
0154-2481505, 94139-50724
आपातकालीन सुविधाएं 24 घंटे उपलब्ध

वर्ष : 01 | अंक : 01 | पाक्षिक | श्रीगंगानगर | 15 जून, 2020 | मोबाइल : 9461221718, 8005519250

कोरोना काल में डॉ. एस.एस. टांटिया मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर ने पेश की मिसाल

जन सेवा हॉस्पिटल का शासन-प्रशासन को बढ़-चढ़ कर सहयोग जारी, चहुंओर प्रशंसा मिल रही है भारी

श्रीगंगानगर। हनुमानगढ़ रोड स्थित **डॉ. एस.एस. टांटिया मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल)** जन-जन के मन में स्थान बना चुका है। कोरोना काल में शासन और प्रशासन को बढ़-चढ़ कर सहयोग जारी रखने से चहुंओर प्रशंसा हो रही है। प्रबंधन के प्रयासों और सकारात्मक सोच की वजह से डॉ. एस.एस. टांटिया मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर ने अनेक ऐसी नजीर पेश की है, जो आने वाले कई वर्षों तक मिसाल बनी रहेगी।

✍ राजकुमार जैन

टांटिया समूह के मुखिया जगदीशलाल टांटिया ने दुनिया के कई देशों में कोरोना वायरस महामारी की भयावहता की खबरें आने पर मार्च माह के अंतिम सप्ताह में ही अपनी पुत्रवधु टांटिया समूह की चेयरपर्सन श्रीमती सुनीता टांटिया एवं सुपुत्र अनिल टांटिया से विचार-विमर्श किया और सामाजिक सरोकारों के निर्वहन के लिए हमेशा की तरह फिर आगे बढ़कर अपने चिकित्सकीय संस्थानों की सेवाएं उपलब्ध करवाने की प्रेरणा दी। इसके तुरंत बाद अनेक सकारात्मक निर्णय लिए गए और प्रबंधन, चिकित्सक, स्टाफ सहित पूरी टीम सेवा में जुट गई। इसी क्रम में कुशल नेतृत्वकर्ता डॉ. विशु टांटिया ने कमान संभाली और अपने अनुज डॉ. पवन टांटिया व डॉ. मोहित टांटिया के साथ विस्तृत कार्य योजना तैयार की। कोरोना वायरस से बने हालात और संभावित लॉक डाउन में जिला प्रशासन को सहयोग देने की तैयारी के लिए जन सेवा हॉस्पिटल की व्यापक बैठक निदेशक डॉ. नेत्र आनंद टांटिया की अध्यक्षता में हुई। अतिरिक्त निदेशक के.एस. सुखदेव, डॉ. अश्विनी गोगिया, डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा, पवन गुप्ता, सीएफओ हरपाल सिंह, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह, मीडिया हैड डॉ. विकास सचदेवा सहित सभी चिकित्सक, विभागों के प्रमुख आदि इसमें शामिल हुए।

हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. मोहित टांटिया ने बताया कि मार्च माह से ही प्रबंधन, चिकित्सक सहित तमाम स्टाफ पूर्ण मनोयोग से सेवा और सहयोग में जुटा हुआ है। इस दौरान टांटिया समूह की ओर से कुल 16 लाख, 72 हजार रुपए की आर्थिक मदद सरकार को प्रदान की जा चुकी है। टांटिया विश्वविद्यालय परिसर में 200 बैड का क्वारंटाइन केंद्र स्थापित कर तमाम सुविधा प्रदान की गई है, जहां शिकायत एवं सुझाव पुस्तिका उपलब्ध करवा कर संतोषजनक ढंग से कोरोना के संभावित मरीजों का क्वारंटाइन टाइम व्यतीत करवाया जा रहा है। जिला प्रशासन के अपेक्षा जताने पर जन सेवा हॉस्पिटल परिसर में 250 बैड क्षमता की आइसोलेशन इकाई स्थापित कर सुचारू रूप से सभी सुविधाएं तैयार की गई और कोविड-आइसीयू के 20 बैड विशेष रूप से तैयार किए गए। छाती एवं श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय सोलंकी के नेतृत्व में महामारी निगरानी समिति गठित की गई, जिसमें नेत्रप्रकाश, विकास अरोड़ा आदि को शामिल किया गया।

लॉकडाउन लागू होने पर तत्काल आपदा प्रबंधन कमेटी डॉ. राकेश सहारण की अध्यक्षता में गठित की गई, जिसमें डॉ. स्मृति अरोड़ा, डॉ. विक्रम अरोड़ा, डॉ. हरदीप सिंह कोचर, डॉ. आनंदिनी राजपूत, डॉ. पुनीत घालीवाल को शामिल किया गया। बुखार, सर्दी, जुकाम के मरीजों के लिए विशेष रूप से फ्लू क्लीनिक स्थापित किया गया। हर मरीज की ट्रेवल हिस्ट्री ली गई, उनकी एंट्री करने के साथ ही वायरस संबंधी जागरूकता बढ़ाई गई। समस्त स्टाफ का पूरी सावधानी रखना सुनिश्चित किया गया। हॉस्पिटल परिसर में दिन में कई बार सोडियम हाइपोक्लोराइट से सफाई करवाया जाना शुरू किया गया। जिला प्रशासन तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सहयोग देते हुए जगह-जगह जागरूकता संबंधी होर्डिंग्स लगाए गए। लॉक डाउन के दौरान पुलिस थानों चौकियों, नाकों को सेनिटाइज किया गया। पुलिसकर्मियों को सेनिटाइजर, दस्ताने, मास्क निःशुल्क उपलब्ध करवाए गए। लॉक डाउन के दौरान क्रोनिक बीमारियों से ग्रसित सैकड़ों मरीजों को घर बैठे टेली-ओपीडी के तहत निःशुल्क डॉक्टरी परामर्श उपलब्ध करवाया गया और मेडिसिन होम-डिलीवरी सुविधा प्रारंभ कर आमजन को घर पर दवाइयां पहुंचाई गईं। राज्य सरकार द्वारा घोषित किए गए फुली डेडीकेटेड हॉस्पिटल्स की सूची में शामिल जनसेवा हॉस्पिटल का निरीक्षण विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की टीम ने भी किया और उपलब्ध करवाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना की।

इसी दौरान न्यायिक अधिकारियों, वन विभाग, रसद विभाग, सिविल डिफेन्स, होमगार्ड, प्रशासन एवं पुलिस के कार्मिकों आदि को गुणकारी आयुर्वेदिक काढ़ा वितरित किया गया। हॉस्पिटल के आपातकालीन चिकित्सा विभाग ने बड़ी संख्या में मरीजों को सप्ताह में सातों दिन, चौबीसों घंटे सुविधाएं मुहैया करवाईं। हॉस्पिटल में भर्ती गरीब एवं असहाय मरीजों को निःशुल्क एम्बुलेंस सुविधा प्रदान कर मंजिल तक पहुंचाया गया। लॉक डाउन अवधि में कार्यरत मेडिकल एवं पैरा मेडिकल स्टाफ के रुकने एवं उनके निःशुल्क भोजन की व्यवस्था हॉस्पिटल प्रबंधन के सौजन्य से की गई। स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग तथा नवजात गहन चिकित्सा इकाई ने उल्लेखनीय चिकित्सा सेवाओं से राहत प्रदान की। पुलिस प्रशासन को हॉस्पिटल का प्रचार वाहन अस्थाई रूप से उपलब्ध करवाया गया, जिसका सदुपयोग कोरोना संबंधी मुनियादी में किया गया। जम्मू से आए 45 मजदूरों के लिए अस्थाई शैल्टर होम की व्यवस्था की गई। इनमें 18 बच्चे भी शामिल थे। सभी के रहने, खाने, चिकित्सा परामर्श, दवाइयों आदि की व्यवस्था की गई। इसके अलावा भी जहां कहीं भी प्रशासन या आमजन को सहायता की आवश्यकता महसूस हुई, टांटिया समूह के प्रतिनिधि उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े दिखाई दिए। संकट काल का यह दौर ऐसा रहा कि सेवा के हर मुकाम पर टांटिया समूह ने जो मौजूदगी दर्ज करवाई, वह आने वाले कई वर्षों तक याद रखी जाएगी।

जनसेवा हॉस्पिटल का निरीक्षण करने पहुंचे जिला कलक्टर शिवप्रसाद मदन नकाते, डब्ल्यूएचओ की टीम, कोविड-19 जिला प्रभारी डॉ. हरितिमा एवं क्वॉरेंटाइन सैंटर में उपलब्ध करवाई गईं बेहतरीन सेवाओं के लिए आभार जताते एक बुजुर्ग।

ऐतिहासिक दस्तावेज साबित होगा 'टी मीडिया'

डॉ. विकास सचदेवा
मुख्य सम्पादक

वक्त की रेत पर, अपनी मेहनत-मशक्कत के गहरे निशान छोड़ता हुआ, कदम-दर-कदम अपने मुकाम की ओर बढ़ रहा श्रीगंगानगर का टांटिया समूह, किसी ख्वाब के हकीकत में बदलने की आंखों देखी बानगी है। शिक्षा, चिकित्सा एवं सेवा के क्षेत्रों में हर रोज टांटिया समूह द्वारा इतिहास रचा जा रहा है। इन्हीं छोटी-छोटी कामयाबियों को दर्ज करते हुए आने वाले वर्षों में एक ऐतिहासिक दस्तावेज के तौर पर सहेजकर रखे जाने वाली कोशिश का नाम ही 'टी मीडिया' है। प्रथम अंक आप तक पहुंचने के साथ ही इतिहास के इन पन्नों को नत्थी करने की शुरुआत भी हो चुकी है। अब हर 15 दिन के अंतराल से 'टी मीडिया' का प्रकाशन-प्रसारण किया जाएगा। हर माह की 15 एवं 30 तारीख को पिछले पखवाड़े की सभी अहम् खबरों, सूचनाओं, घटनाओं, उपलब्धियों, नवाचारों, सामाजिक सरोकारों की कवरेज के साथ ही टांटिया समूह के गौरवशाली सेवा प्रकल्पों के सिलसिलेवार विस्तृत विवरण को समेटे हुए यह अखबार ऑनलाइन ई-पेपर के रूप में तैयार किया जाएगा। टांटिया समूह की अधिकृत वेबसाइट्स पर 'टी-मीडिया' के सभी अंक उपलब्ध रहेंगे। सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर 'टी मीडिया' की मौजूदगी सुनिश्चित की जाएगी। टांटिया समूह के सभी प्रतिनिधियों-सदस्यों से भी अपेक्षा है कि वे अपने निजी सम्पर्कों तक एवं सोशल मीडिया ग्रुप्स में भी नियमित रूप से 'टी मीडिया' के अंकों को पहुंचाने का कार्य करेंगे। सुधार सतत् प्रक्रिया है। आपके सुझावों का हमेशा स्वागत रहेगा। आगामी अंकों में कुछ नियमित कॉलम प्रारंभ करने की भी योजना है, जिसमें टांटिया समूह से जुड़े ऐसे पहलुओं को साझा करने का प्रयास किया जाएगा, जिनसे अभी तक अधिकांशजन अनभिज्ञ हैं। टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, टांटिया यूनिवर्सिटी, जन सेवा हॉस्पिटल, टांटिया डेंटल केयर, कल्पतरू मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल पीलीबंगा, टांटिया ज्वैलर्स, एसजी हर्बल्स, एसजी होम्यो, एसजी एग्रो सहित सभी महत्वपूर्ण इकाइयों से जुड़े अपडेट्स आप 'टी मीडिया' की ई-मेल आईडी पर प्रेषित कर सकते हैं।

वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. महेश माहेश्वरी की सफलताओं में जुड़ा एक और अध्याय

श्रीगंगानगर।

न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में सबसे बड़ी मानी जाने वाली एन्यूरिज्म की सर्जरी के सफलतापूर्वक संपन्न होने के साथ ही टांटिया हॉस्पिटल के वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. महेश माहेश्वरी की सफलताओं में एक और अध्याय जुड़ गया है। इससे पूर्व भी डॉ. माहेश्वरी अनेकानेक बार असामान्य एवं असाधारण तरह के ऑपरेशन कर राष्ट्रीयस्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुके हैं। डॉ. महेश माहेश्वरी ने बताया कि सूरतगढ़ से रैफर होकर आए इस 50 वर्षीय व्यक्ति का सीटी स्कैन करवाने पर पता चला कि उसके दिमाग में खून की नसों में फुलावट है, जिसे एन्यूरिज्म कहते हैं। न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में एन्यूरिज्म की सर्जरी को सबसे संवेदनशील व बड़ी सर्जरी माना जाता है। करीब छह घंटे तक चले इस ऑपरेशन में खून की नसों में आई फुलावट पर क्लिप डाली गई। सर्जरी के बाद मरीज की हालत में सुधार होने लगा। सर्जरी के एक सप्ताह के बाद उसे हॉस्पिटल से छुट्टी भी दे दी गई। अब वह पूर्णतया स्वस्थ है।

राजस्थान के उत्तरी-पश्चिमी क्षेत्र की आर्थिक धुरी बन गया है टांटिया समूह

श्रीगंगानगर। टांटिया समूह विगत कुछ दशकों के दौरान उत्तरी-पश्चिमी राजस्थान की आर्थिक धुरी बन गया है। प्राइवेट सैक्टर में सर्वाधिक रोजगार पैदा करते हुए इस समूह द्वारा निरंतर अंतरराष्ट्रीय स्तर की चिकित्सा सुविधाएं आमजन को मुहैया करवाई जा रही हैं। उच्च शिक्षा के सर्वोत्तम केंद्र के रूप में उभरे इस समूह के प्रकल्प उत्तरोत्तर उन्नति की राह पर अग्रसर है। टांटिया समूह द्वारा अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन भी बखूबी किया जा रहा है, जिसकी चर्चा व सराहना सर्वत्र होती रहती है।

प्राइवेट सैक्टर में सर्वाधिक रोजगार पैदा करते हुए उपलब्ध करवाई जा रही अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा सुविधाएं, उच्च शिक्षा का सर्वोत्तम केंद्र, सामाजिक दायित्वों का भी किया जा रहा निर्वहन

उत्तर भारत के सर्वाधिक ख्यातनाम मानसिक रोग विशेषज्ञ के रूप में पहचान बनाने वाले डॉ. श्यामसुन्दर टांटिया द्वारा अपने पिता जगदीशलाल टांटिया व अनुज अनिल टांटिया के साथ मिलकर 80 के दशक में बहुत ही छोटे स्तर पर शुरू किए गए एक क्लिनिकनुमा चिकित्सा केंद्र ने उनके अथक प्रयासों व जीवट की बदौलत वर्तमान में चिकित्सा व शिक्षा के सबसे बड़े समूह का स्वरूप ग्रहण कर लिया है। वर्ष 2012 में डॉ. श्यामसुन्दर टांटिया के देवलोक गमन के बाद से उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता टांटिया बतौर चेयरपर्सन इस समूह की बागडोर संभाल रही हैं। अपने पिता के नक्श-ए-कदम पर चलते हुए डॉ. विशु टांटिया (एमडी, साइकेट्री) मानसिक रोगियों की सेवा में समर्पित रहते हुए अपने अनुज डॉ. मोहित टांटिया के साथ मिलकर टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, टांटिया यूनिवर्सिटी, जन सेवा हॉस्पिटल सहित सभी सेवा संस्थानों का सफल संचालन कर रहे हैं। टांटिया समूह द्वारा संचालित टांटिया यूनिवर्सिटी को इलाके की पहली व एकमात्र प्राइवेट यूनिवर्सिटी होने का गौरव प्राप्त है, जहां वर्तमान में आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक, वेटनरी, बीएड, नर्सिंग, फिजियोथैरेपी, फिजिकल एजुकेशन, लॉ, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट से संबंधित फैकल्टी द्वारा हजारों छात्र-छात्राओं को हर वर्ष सफलतापूर्वक रोजगारपरक शिक्षा प्रदान की जा रही है। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक और बड़ा कदम रखते हुए हाल ही में टांटिया समूह द्वारा टांटिया यूनिवर्सिटी कैम्पस में ही तीन सौ बैड की क्षमता वाले अत्याधुनिक डॉ. एसएस टांटिया एमसीएच एंड रिसर्च सेंटर (जन सेवा हॉस्पिटल) का संचालन प्रारंभ किया गया है, जो अल्पकाल में ही श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ जिले के निवासियों के साथ-साथ पंजाब व हरियाणा के समीपवर्ती इलाकावासियों के लिए वरदान बन गया है। रियायती दरों पर आमजन को चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवा रहे डॉ. श्यामसुंदर टांटिया के इस 'ड्रीम प्रोजेक्ट' ने कुछ ही महीनों में प्रशासनिक तंत्र व आमजन के बीच ऐसा विश्वास सेतु निर्मित किया है कि क्षेत्र की समस्त आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों में टांटिया समूह का दखल बेहद अहमियत रखने लगा है। राज्य सरकार ने एक अधिसूचना के तहत जन सेवा हॉस्पिटल को कोविड-19 डेडिकेटेड हॉस्पिटल की सूची में शामिल किया है, जहां आइसोलेशन वार्ड व क्वारंटाइन वार्ड में कोरोना संभावित मरीजों को रखा जा रहा है। समूह के अन्य प्रकल्प टांटिया डेंटल केयर एवं कल्पतरू मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल पीलीबंगा भी अपने-अपने स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं।

समूह के वाइस-चेयरमैन डॉ. मोहित टांटिया बताते हैं, 'टांटिया समूह विगत कई दशक से श्रीगंगानगर क्षेत्र में रोजगार, चिकित्सा सुविधाएं व उच्च शिक्षा के अवसर बढ़ाने के मिशन पर काम कर रहा है। काफी हद तक इसमें सफलता भी मिली है और निकट भविष्य में इन प्रयासों के ज्यादा सुखद परिणाम देखने को मिलेंगे।' यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के प्रकोप से प्रभावित अर्थव्यवस्था के मौजूदा हालात में भी टांटिया समूह ने अपने एक भी सदस्य को संस्थान से अलग नहीं किया, बल्कि सभी अधिकारी-कर्मचारी इस संकटकाल में और अधिक घनिष्ठता के साथ एकजुट होकर मानवता की सेवा में जुटे हैं। करीब एक हजार सदस्यों का यह परिवार प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से लाखों लोगों के रोजगार व व्यापार का जरिया बना हुआ है। सवा सौ एकड़ में फैले यूनिवर्सिटी कैम्पस का कंस्ट्रक्शन वर्क, करोड़ों रुपए के चिकित्सकीय उपकरणों से सुसज्जित हॉस्पिटल्स व अन्य विभाग निश्चित तौर पर हर तरह की इंडस्ट्री को काम दे रहे हैं। इलाके का सबसे बड़ा सोलर प्लान्ट भी इसी कैम्पस में लगा है। धीरे-धीरे ही सही, लेकिन हमेशा से ही उपेक्षित रहे इस क्षेत्र में प्राइवेट सैक्टर के किसी समूह द्वारा अर्थव्यवस्था को सम्बल प्रदान करने के लिए किए जा रहे ऐसे प्रयास सराहनीय हैं, जिसके प्रति कृतज्ञ होना इस क्षेत्र के निवासियों का नैतिक कर्तव्य है।

टी-ब्रीफ

टांटिया विवि के विभिन्न पाठ्यक्रमों की वार्षिक व सेमेस्टर परीक्षा 13 जुलाई से

रखी जाएगी कोरोना वायरस संबंधी पूरी सावधानी

श्रीगंगानगर।

टांटिया विश्वविद्यालय की सत्र 2019-20 की विभिन्न पाठ्यक्रमों की वार्षिक एवं सेमेस्टर परीक्षा 13 जुलाई से प्रारम्भ हो रही है। विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) एम.एम. सक्सेना के निर्देशन में कोरोना वायरस संबंधी पूरी सावधानी रखने का खाका तैयार कर लिया गया है। सोशल डिस्टेंस, मास्क आदि की एडवाइजरी की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित की जाएगी, सैनिटाइजर उपलब्ध करवाया जाएगा। परीक्षा संबंधी समस्त कार्य व्यवस्थित ढंग से सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाने के लिए परीक्षार्थियों के प्रवेश एवं निकास अलग-अलग द्वार से रखने की विशेष व्यवस्था की जा रही है।

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेंद्र गोदारा ने बताया कि नर्सिंग, शारीरिक शिक्षा, होम्योपैथिक, कला एवं विज्ञान संकाय की परीक्षा 13 जुलाई से, आयुर्वेद संकाय की 14 जुलाई से, विधि संकाय की 21 जुलाई से तथा शिक्षा संकाय की परीक्षा 27 जुलाई से प्रारम्भ हो रही है। परीक्षा का सम्पूर्ण कार्यक्रम टांटिया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है।

पर्यावरण संरक्षण

टांटिया समूह के 'दाना-पानी अभियान' का श्रीगणेश, 11 पौधे भी लगाए

श्रीगंगानगर।

टांटिया समूह की ओर से पर्यावरण दिवस (5 जून) के उपलक्ष में जन सेवा हॉस्पिटल में दाना-पानी अभियान का श्रीगणेश एजीजे फतविन्द सिंह एवं निदेशक डॉ. राघव टांटिया ने किया। ग्यारह पौधे भी इस मौके पर लगाए गए।

डॉ. मोहित टांटिया ने विश्वास दिलाया है कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में इसी तरह प्रयास और नवाचार जारी रहेंगे। हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह ने बताया कि अभियान की शुरूआत के समय अतिरिक्त निदेशक पवन गुप्ता, मेडिसिन हैड डॉ. विकास सचदेवा, डॉ. इन्द्रदीपसिंह कोचर, डॉ. संजय सोलंकी, डॉ. केके अरोड़ा, डॉ. शशि शर्मा, डॉ. मनीष अरोड़ा, डॉ. विकास गर्ग, डॉ. रिता अरोड़ा, डॉ. स्मृति अरोड़ा, डॉ. डिम्पल कपूर, अरूण सक्सेना, अमित वर्मा, देवेन्द्र थापर व आईईसी कॉर्डिनेटर राजकुमार जैन आदि मौजूद थे। अतिरिक्त निदेशक पवन गुप्ता के अनुसार अभी तक लगाए गए 1200 से अधिक पौधे, पेड़ बन चुके हैं। सार-संभाल का जिम्मा लेने वालों को हॉस्पिटल विशेष रूप से तैयार दाना-पानी के स्टैंड उपलब्ध करवाएगा। गर्मियों में चलने वाला दाना-पानी का यह अभियान कई वर्षों से जारी है।

सर्जरी विभाग

तांत्रिक बाबा ने महिला को निगलवा दिए थे ताबीज-मोली, तीन साल बाद निकाले गए बाहर

जन सेवा हॉस्पिटल में डॉ. राघव टांटिया के नेतृत्व में हुआ सफल ऑपरेशन, अब मिली महिला को राहत

श्रीगंगानगर।

करीब तीन साल पहले अपनी किसी परेशानी को लेकर एक तांत्रिक बाबा से मिली 48 वर्षीय महिला को इलाज के नाम पर बाबा ने ताबीज-मोली निगलवा दिए, जोकि उसकी छोटी आंत में जाकर अटक गए। कई अस्पतालों के चक्कर काटने के बाद आखिरकार जन सेवा हॉस्पिटल लाई गई इस महिला का सफल ऑपरेशन करते हुए ताबीज-मोली बाहर निकाल दिए गए हैं, जिसके बाद अब महिला को राहत मिली है। हॉस्पिटल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बलजीत सिंह ने बताया कि इस महिला को निरंतर उल्टियां होने की समस्या थी और खाया-पिया पचता नहीं था। इलाज के लिए वे कई अस्पतालों में गए और दो वर्ष पहले श्रीगंगानगर के एक अन्य निजी अस्पताल में इस महिला का ऑपरेशन भी

डॉ. राघव टांटिया

हुआ था, जिसमें उसकी छोटी आंत से बाइपास रास्ता बनाकर समस्या का अस्थाई निदान करने का प्रयास किया गया था। बावजूद इसके न तो महिला की उल्टियां बंद हुई और न ही उसे खाना पचने लगा। इस पर परिजन महिला को अपने गांव के नजदीक पीलीबंगा में स्थित कल्पतरू मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल लेकर गए, जहां से उसे श्रीगंगानगर में हनुमानगढ़ मार्ग पर टांटिया यूनिवर्सिटी कैम्पस में स्थित जन सेवा हॉस्पिटल में रैफर कर दिया गया। यहां वरिष्ठ सर्जन डॉ. राघव टांटिया ने महिला की प्राथमिक जांच के बाद लीवर, पेट व आंत रोग विशेषज्ञ डॉ. जुबिन शर्मा के साथ परामर्श किया। डॉ. शर्मा ने महिला की एण्डोस्कोपी करने के उपरान्त छोटी आंत में कोई धागेनुमा वस्तु होने की शंका जाहिर की, जिस पर महिला का सीटी स्कैन भी करवाया गया। रेडियोलॉजिस्ट डॉ. जुबेर ने भी छोटी आंत में बाइपास में कुछ अटका होने का संदेह जताया। इस पर डॉ. राघव टांटिया ने निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. आनंद कामरा व डॉ. गुरतेज धालीवाल के सहयोग से महिला का ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। ऑपरेशन के दौरान डॉ. टांटिया को महिला की छोटी आंत में ताबीज व मोली के फंसे होने का पता चला, जिसे काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। सफल ऑपरेशन के बाद से महिला ठीक है और उसकी तबीयत में निरंतर सुधार आ रहा है। डॉ. राघव टांटिया के अनुसार यह हमारे क्षेत्र में फैले अंधविश्वास का उदाहरण है, जिसमें लोग इलाज के लिए बाबाओं-तांत्रिकों के पास जाते हैं और खुद को ऐसी मुसीबतों में फंसा लेते हैं। इलाज के बाद से महिला के परिजन जन सेवा हॉस्पिटल का आभार व्यक्त कर रहे हैं, जहां नाममात्र के खर्च पर उच्चस्तरीय उपचार मुहैया करवाया जा रहा है।

उत्तर भारत के पीएचडी करवाने वाले गिनती के कॉलेजों में शामिल टांटिया यूनिवर्सिटी के श्रीगंगानगर कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक सांइस एंड हॉस्पिटल की विशिष्ट पहचान

आयुर्वेद संकाय की आभा पहुंची दूर-दूर क्योंकि उपलब्धियों से है भरपूर

श्रीगंगानगर।

टांटिया विश्वविद्यालय के आयुर्वेद संकाय (श्रीगंगानगर कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंस एंड हॉस्पिटल) की आभा दूर-दूर तक पहुंची हुई है। अनेक उपलब्धियों वाला यह कॉलेज उत्तर भारत के उन गिनती के कॉलेजों में शामिल है, जिनमें पीएचडी इन आयुर्वेद की सुविधा भी उपलब्ध है।

वर्ष 2004 में स्थापित श्रीगंगानगर कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंस एंड हॉस्पिटल में बैचलर ऑफ आयुर्वेद मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएएमएस) के अलावा तीन विषय- रचना शरीर, स्वस्थ वृत्त (वाइजीन) एवं द्रव्य गुण में एमडी भी करवाई जा रही है। राजस्थान में निजी आयुर्वेद महाविद्यालयों में आयुर्वेद में एमडी सिर्फ की सुविधा केवल यहीं उपलब्ध है। पीएचडी की मान्यता तो समूचे उत्तर भारत के बहुत कम महाविद्यालयों को है, श्रीगंगानगर कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंस एंड हॉस्पिटल पीएचडी करवाने के लिए अधिकृत है।

यहां से उत्तीर्ण अनेक विद्यार्थी राजकीय सेवा में चयनित हुए हैं, ऐसे भी काफी संख्या में हैं जो निजी महाविद्यालयों में सेवा दे रहे हैं। आयुर्वेद नर्सिंग कोर्स भी सफलता से संचालित हो रहा है। गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता की वजह से कॉलेज में देश के अनेक राज्यों गुजरात, असम, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा के विद्यार्थियों के अलावा नेपाल तक के विद्यार्थी प्रवेश ले चुके हैं। आयुर्वेद को करियर बनाने की चाह रखने वाले इस कॉलेज में प्रवेश को आतुर रहते हैं। टांटिया विश्वविद्यालय के हरियाली से आच्छादित मनोरम परिसर में स्थित इस कॉलेज में आयुर्वेद के आदि प्रवर्तक भगवान धन्वंतरि का भव्य मंदिर एवं आचार्य चरक की विशाल प्रतिमा वाला सुंदर गार्डन विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कॉलेज की शैक्षणिक, सह-शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्राचार्य के नेतृत्व में सभी स्टाफ सदस्य निरंतर प्रयत्नशील रहते हैं।

सदियों से साबित की है उपयोगिता : डॉ. उपाध्याय

कॉलेज के प्राचार्य बीएएमएस एवं रचना शरीर में एमडी डॉ. सुभाषचन्द्र उपाध्याय के अनुसार आयुर्वेद ने अपनी उपयोगिता सदियों से साबित की है।

प्राचीन काल से इसका महत्व चला आ रहा है। कोरोना वायरस (कोविड-19) से बने हालात ने तो आयुर्वेद का महत्व बहुत अधिक बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सम्बोधन तक में इसका जिक्र कर काढ़ा पीने आदि की अपील कर चुके हैं।

दीक्षांत समारोह में छाई अपनी आकांक्षा

कॉलेज से बीएएमएस कर चुकी छात्रा आकांक्षा शर्मा सूरतगढ़ के नाम से प्रसिद्ध जोधपुर के डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में छा चुकी है। शिक्षण सत्र 2012-2013 में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अनिल कुमार शर्मा की इस प्रतिभावान लाडली ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच वरीयता प्रमाण पत्र हासिल कर टांटिया विश्वविद्यालय एवं श्रीगंगानगर कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंस एंड हॉस्पिटल का नाम रोशन किया।

अद्वितीय है केरल की तर्ज पर बने पंचकर्म केंद्र की अनुपम छटा

श्रीगंगानगर कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंस एंड हॉस्पिटल में केरल की तर्ज पर बना पंचकर्म पहली पसंद बना हुआ है। बड़ी संख्या में लाभान्वित होने वालों की सूची में अनेक न्यायिक, प्रशासनिक एवं सैन्य अधिकारी आदि शामिल हैं। टांटिया यूनिवर्सिटी के वाइस-चेयरमैन डॉ. मोहित टांटिया की धर्मपत्नी एवं आर्किटेक्चर-इंटीरियर डिजाइनर श्रीमती अमीषा टांटिया ने अपनी अद्भुत प्रतिभा से पंचकर्म चिकित्सा केंद्र को ऐसा बनाया है कि इसमें प्रवेश करने वाले सुखद आश्चर्य में पड़े बिना नहीं रहते। प्रशिक्षित चिकित्सकों-विशेषज्ञों की मौजूदगी में वमन, विरेचन, बस्ति, शिरोविरेचन, नस्य, अर्पण, स्वेदन आदि कर्म किए जाते हैं। पंचकर्म के लिए दूर-दूर से लोग यहां आते हैं और भारी लाभ उठाते हैं।

वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. विक्रम अरोड़ा बदल रहे हैं निराश लोगों के जीवन की दशा और दिशा

जन सेवा हॉस्पिटल की पहचान बन गया है हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग

हड्डी की विकृति का सफल इलाज।

अनुभव से भरपूर हैं डॉ. विक्रम अरोड़ा

वरिष्ठ हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. विक्रम अरोड़ा अनुभव से भरपूर हैं। एमबीबीएस, डीएनबी, एमएनएएमएस जैसी शैक्षणिक योग्यताओं वाले डॉ. अरोड़ा ने जोड़ प्रत्यारोपण, लिगामेंट सर्जरी आदि का शिक्षण-प्रशिक्षण देश के ख्यातनाम प्रतिष्ठित संस्थानों से प्राप्त किया है। पूना के संचेती हॉस्पिटल से उन्होंने फैलोशिप प्राप्त की है। दिल्ली के मैक्स हॉस्पिटल एवं गुरुग्राम के मेदान्ता हॉस्पिटल में भी डॉ. अरोड़ा सेवाएं दे चुके हैं। एम्स दिल्ली, एमएएमसी दिल्ली, गंगा अस्पताल कोयम्बटूर और देश के कई हिस्सों में विभिन्न ट्रोमा कोर्सेज के सक्रिय भागीदार रहे हैं। जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी, बच्चों के हड्डी रोग एवं जटिल फ्रेक्चर का एओ सिद्धान्तों पर आधारित सफल इलाज करने में डॉ. अरोड़ा माहिर हैं।

बच्चे की पैर की टेढ़ी हड्डी का सफल इलाज।

श्रीगंगानगर। जन सेवा हॉस्पिटल के वरिष्ठ हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. विक्रम अरोड़ा निराश लोगों के जीवन की दशा और दिशा बदल रहे हैं। हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग की सेवाओं का लाभ उठाकर हजारों-हजार मरीज अपनी परेशानियों से निजात पा रहे हैं। घुटना प्रत्यारोपण, लिगामेन्ट सर्जरी, बच्चों के हड्डी रोग, जटिल फ्रेक्चर, कूल्हा प्रत्यारोपण, हड्डी के कैंसर, स्पाइन सर्जरी से बचने के लिए स्लिप डिस्क इंजेक्शन, कॉम्प्लेक्स ट्रोमा, नॉन यूनियन, प्लास्टिक सर्जरी, दर्द प्रबंधन आदि का काम सफलता से किया जा रहा है। जिन बच्चों की हड्डियां टेढ़ी-मेढ़ी होती हैं या पांव टेढ़े-मेढ़े होते हैं, उनकी शारीरिक समस्या भी डॉ. अरोड़ा दूर कर रहे हैं।

डॉ. विक्रम अरोड़ा बताते हैं कि जन सेवा हॉस्पिटल के हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग में विश्व स्तरीय सेवाएं उपलब्ध हैं।

सफल घुटना एवं सफल कूल्हा प्रत्यारोपण।

अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित ऑपरेशन थियेटर, आइसीयू एवं जनरल वार्ड में प्रशिक्षित एवं अनुभवी स्टाफ निरंतर मरीजों की सेवा में जुटा रहता है। सड़क दुर्घटनाओं, जानलेवा हादसों में जिन्होंने उम्मीद ही छोड़ दी थी, उनके लिए आशा की किरण साबित हुआ है यह विभाग। सप्ताह के सातों दिन, चौबीसों घंटे आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध हैं।

आइसीयू, सीटी स्केन, एमआरआई आदि की व्यवस्था है। पॉली ट्रोमा के मरीजों को आपातकालीन सेवा देने के लिए ऑर्थो, न्यूरो, सर्जरी व एनीस्थिसिया विशेषज्ञों की टीम सदैव तत्पर रहती है।

— कृषि संकाय में सक्सेस स्टोरी का सिलसिला शुरू —

कासनिया ने बताया, कैसे किराए की साइकिल से हवाई यात्रा तक पहुंचे

श्रीगंगानगर।

टांटिया विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में सफल किसानों की सक्सेस स्टोरी उन्हीं से जानने का सिलसिला शुरू किया गया है। हर्बल किंग, कृषक रत्न, कृषक वैज्ञानिक जैसे अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त प्रगतिशील किसान हरीशचंद्र कासनिया ने अपने अनुभव सांझा करते हुए बताया कि वे कैसे किराए की साइकिल से हवाई यात्रा तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि मेहनत और सकारात्मक सोच से ही हर आस पूरी होती है। इस मौके पर विश्व पर्यावरण दिवस 10 जून को मनाया गया, पानी की एक-एक बूंद बचाने का संकल्प भी करवाया गया। कासनिया ने कहा कि खूब स्टडी करनी चाहिए, सोचना-समझना और ज्ञान अर्जित करना चाहिए, निष्कर्ष निकालना चाहिए। जब तय कर लें फिर पीछे मुड़ कर नहीं देखना चाहिए। सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते रहें, परेशानी आ सकती है लेकिन निश्चित रूप से हार नहीं होगी। कासनिया ने सकारात्मक सोच को सफलता का मूल मंत्र बताते हुए कहा कि बुजुर्गों का आशीर्वाद भी बहुत जरूरी है। कृषि संकाय के डीन डॉ. विचित्र सिंह ने स्वागत करते हुए कहा कि समय के साथ बदलना चाहिए, नई तकनीक को अपनाना चाहिए। आईईसी कॉर्डिनेटर राजकुमार जैन ने जल बचत का महत्व बताया। व्याख्याता रंजना गहलोत ने संयोजन किया। कृषि संकाय के मुकेश मंडा, जनकराज, सुमन, कांता, महेंद्र, हेमराज, किरणदीप कौर आदि ने कासनिया को सम्मानित किया। उन्होंने अपने संघर्ष से भरे जीवन और विशिष्ट पहचान हासिल करने की डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई। जूम एप के माध्यम से भी कृषि संकाय के अनेक विद्यार्थियों ने सक्सेस स्टोरी जानी और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया।

क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक ने कहा, चिन्तित होने की जरूरत नहीं

कृषि संकाय की कार्यशाला में शामिल हुए प्रमुख व्यापारी-किसान नेता

श्रीगंगानगर।

राष्ट्रीय कृषि बाजार (इ-नाम) पर टांटिया विश्वविद्यालय के कृषि संकाय की कार्यशाला में इलाके के प्रमुख व्यापारी एवं किसान नेता शामिल हुए। मुख्य वक्ता कृषि विपणन विभाग के क्षेत्रीय संयुक्त निदेशक डी.एल. कालवा ने कहा कि व्यापारियों को इससे चिन्तित नहीं होना चाहिए, उनकी भूमिका बनी रहेगी। कई किसान नेताओं ने कहा कि किसानों का आढ़तियों से नाता नहीं टूट सकता। ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने हाल ही बड़ा बदलाव और किया है, देखना है कि यह कितना सफल होता है। इ-नाम के प्रभारी प्रिन्स जुनेजा ने प्रोजेक्टर के माध्यम से शंकाओं का समाधान किया। प्रारम्भ में कृषि संकाय के डीन डॉ. विचित्र सिंह ने स्वागत किया, आईईसी कोऑर्डिनेटर राजकुमार जैन ने संयोजन किया।

कच्चा आढ़तिया संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रेश जैन, किसान नेता जीकेएस के संयोजक रणजीत सिंह राजू, सह संयोजक विक्रमजीत सिंह, सब्जी उत्पादक संघ के जिलाध्यक्ष अमरसिंह बिश्नोई, वाटर यूजर्स एसोसिएशन कालूवाला के अध्यक्ष बृजमोहन बंसल, सरपंच एसोसिएशन के पूर्व प्रदेश सचिव सुरेंद्र पारीक, पूर्व सरपंच सौदागर सिंह औलख, कच्चा आढ़तिया संघ के अध्यक्ष कुलदीप कासनिया, पूर्व मंत्री राकेश बोरड़, ट्रेडर्स एसोसिएशन के सचिव विनय जिन्दल, पूर्व अध्यक्ष रामगोपाल पाण्डुसरिया, प्रमुख व्यापारी धर्मवीर जुनेजा, सुरेंद्र गर्ग, संजय बठला ने भी कार्यशाला में भाग लिया। व्याख्याता रंजना गहलोत, कांता, मुकेश मंडा सहित अनेक विद्यार्थी आदि इसमें मौजूद रहे।

info@drsstantiamch.org www.drsstantiamch.org
डॉ. एस.एस. टांटिया मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सैंटर
जन सेवा हॉस्पिटल
क्षेत्र का सर्वाधिक विश्वसनीय, चैरीटेबल एवं अत्याधुनिक अस्पताल
...सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं सभी के लिए
हृदय रोग विभाग | जनरल सर्जरी विभाग
मेडिसिन विभाग | हड्डी रोग व जोड़ विभाग
प्रसूति व स्त्री रोग विभाग | नवजात व शिशु रोग विभाग
छाती, टी.बी. व श्वास रोग विभाग
परामर्श शुल्क- 10/- | भर्ती शुल्क- 20/- प्रतिदिन
एक्स-रे | अल्ट्रासाउण्ड | सी.टी. स्कैन | एमआरआई | ब्लड बैंक | डायलिसिस | दवाईयां
आयुष्मान भारत म.गा.रा. स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत नि:शुल्क इलाज एवं भोजन
अत्याधुनिक आईसीयू (₹ 1500/-प्रतिदिन) | रियायती दरों पर लैब सुविधाएँ उपलब्ध | अल्ट्रासाउंड ₹ 200/- सीटी स्कैन ₹ 800/- | मोतियाबिन्द का ऑपरेशन मात्र ₹ 2000/-
/c/tantiauniversityin
www.drsstantiamch.org/virtual_tour
/jansewahospital
24 घण्टे आपातकालीन सुविधा
टोल फ्री नं. 1800-123-10-10-20, 94140-90854
टांटिया यूनिवर्सिटी कैम्पस, हनुमानगढ़ रोड, श्रीगंगानगर

नशा छुड़ायें
बिना भर्ती, बिना तोड़ बिना तकलीफ
• अफीम • पोस्त • स्मैक • हेरोईन
• कोकीन • शराब नशे की गोलियां
• नशे के इंजेक्शन इत्यादि का नशा छुड़ाएँ
• सिरदर्द • मिर्गी
• नींद न आना
• डिप्रेशन • पागलपन
डॉ. विशु टांटिया
एम.डी. (दिमाग, नशा, सिरदर्द एवं सैक्स रोग विशेषज्ञ)
टांटिया जनरल हॉस्पीटल
सुखाड़िया मार्ग, श्रीगंगानगर (राज.)
094139-50724, 94140-24251

टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर
Estibleshed by State Government Act 32 of 2013 u/s 2 (1) of UGC Act 1956
डी.पी.एड. प्रवेश विज्ञप्ति
राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद से अनुमोदन के आधार पर सत्र 2020-21 के लिए डी.पी.एड. (शारीरिक शिक्षा) में दो वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण हेतु टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर को आवंटित 50 सीटों पर प्रवेश हेतु आशार्थियों से प्रवेश प्रार्थना पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। इस पाठ्यक्रम हेतु आवेदनार्थी की शैक्षणिक योग्यता राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर के समकक्ष सैकण्डरी एवं सीनियर सैकण्डरी 10+2 उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा तथा साथ में विद्यालयी की जिला/ राज्य / राष्ट्रीय/ स्तरीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता (एस.जी.एफ.आई) में भाग लिए होना अनिवार्य होगा। प्रवेश हेतु प्रवेशार्थी की न्यूनतम आयु 30.06.2020 को 18 वर्ष, अधिकतम आयु पुरुष सामान्य 23 वर्ष, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिला आशार्थियों को नियमानुसार छूट दी जायेगी।
आवेदन पत्र दिनांक 04.06.2020 से 31.07.2020 सांय 5 बजे तक विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.tantiauniversity.com से ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगे। भरे हुए आवेदन पत्र मय सत्यापित दस्तावेज दिनांक 05.08.2020 सांय 5 बजे तक प्रवेश कार्यालय, टांटिया विश्वविद्यालय, श्रीगंगानगर में स्वीकार किये जायेंगे। प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय के दूरभाष नं. 9414010013, 9414432611, 9414093087 व 0154-2494125 से प्राप्त की जा सकती है।
-रजिस्ट्रार टांटिया विश्वविद्यालय

रेडियोलोजी विभाग ने लाखों में से एक को होने वाली दुर्लभ बीमारी को पकड़ा

श्रीगंगानगर।

जन सेवा हॉस्पिटल के रेडियोलोजी विभाग ने अपनी विशेषज्ञता फिर साबित की है। रेडियोलोजिस्ट डॉ. निशांत गोयल ने जांच में एक गर्भवती महिला के पेट में पल रहे शिशु के दुर्लभ बीमारी होना पाया। यह बीमारी लाखों में एक शिशु के ही होती है। उन्होंने जांच के दौरान स्केन किया तो पाया कि शिशु के दिल बाहर था, लिवर-आंत भी बाहर थी। धड़कन चल रही थी, पीछे की रीढ़ की हड्डी भी नहीं थी, दिल दाईं तरफ था। शरीर के आगे की चमड़ी नहीं बनी हुई थी, कई अंग बाहर दिखाई दे रहे थे। अनेक विकृतियों वाले इस शिशु की गर्भवती माता की जन सेवा हॉस्पिटल की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. स्मृति अरोड़ा एवं डॉ. कृतिका पोहरा ने सार-संभाल की। वह 19 वर्षीय महिला बिल्कुल स्वस्थ है। डॉ. निशांत गोयल के अनुसार गर्भवती महिला को 16 से 20 सप्ताह के दौरान लेवल-2 की विशेष जांच जरूर करवानी चाहिए। हॉस्पिटल में यह जांच रियायती दर पर उपलब्ध है। दस-बीस मिनट में ही यह जांच हो जाती है, परहेज आदि की भी जरूरत नहीं पड़ती।

टांटिया यूनिवर्सिटी कैम्पस का ब्वॉयज हॉस्टल की छत से कैद किया गया मनोहारी दृश्य।

टी-क्लिक

साभार : पीयूष राठाल, बीएएमएस, श्रीगंगानगर कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंस एंड हॉस्पिटल, टांटिया यूनिवर्सिटी, श्रीगंगानगर।

टी-क्लिक : टांटिया समूह के किसी भी संस्थान की उपलब्धियों, सेवाओं, सुविधाओं अथवा इंफ्रास्ट्रक्चर को दर्शाती हुई एक तस्वीर को हर बार आपके सौजन्य से 'टी-क्लिक' के तहत प्रकाशित किया जाएगा। यदि आप भी फोटोग्राफी में रूचि रखते हैं तो उठाइए कैमरा और ऐतिहासिक पलों को दर्ज कर हमें अपने नाम व विवरण के साथ ई-मेल (tmedia@tantiauniversity.com) पर भेज दीजिए।

नई सुविधा

जन सेवा हॉस्पिटल में होने लगा है मुंह एवं गले के कैंसर के मरीजों का इलाज

— धरातल पर उतरने लगा टांटिया समूह का ड्रीम प्रोजेक्ट —

श्रीगंगानगर।

पड़ोसी राज्यों पंजाब व हरियाणा सहित श्रीगंगानगर व हनुमानगढ़ इलाके के हजारों-हजार लोगों को अपनी चपेट में ले रहे कैंसर रोग का इलाज सस्ती दरों पर मुहैया करवाने का बीड़ा स्थानीय कैंसर रोग विशेषज्ञों ने उठाया है, जिनकी पहल के बाद अब हनुमानगढ़ रोड पर टांटिया यूनिवर्सिटी कैम्पस में स्थित जन सेवा हॉस्पिटल में प्राथमिक तौर पर मुंह व गले के कैंसर के मरीजों को लाभ मिलना शुरू हो गया है। जन सेवा हॉस्पिटल में मुंह व गले का कैंसर रोग विभाग की सेवाएं प्रारंभ होने के साथ ही टांटिया समूह का वह ड्रीम प्रोजेक्ट धरातल पर उतरने लगा है, जिसके तहत शीघ्र ही एक अत्याधुनिक कैंसर ट्रीटमेंट यूनिट श्रीगंगानगर में स्थापित की जानी है। इसके लिए सभी तरह की औपचारिकताओं को पूरा करते हुए भवन निर्माण की तैयारी की जा रही है। आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित यह हर मंजिला कैंसर हॉस्पिटल

कैंसर विशेषज्ञों की टीम ने उठाया सेवा का बीड़ा

टांटिया समूह की ओर से कैंसर से पीड़ित मानवता की सेवा के लिए समर्पित होगा, जहां महानगरों की तरह ही सभी अंतरराष्ट्रीय मानकों की चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

वर्तमान में जन सेवा हॉस्पिटल के मुंह व गले का कैंसर रोग विभाग में ओरल एंड मैक्सिओ-फेसियलरी ऑंकोसर्जन डॉ. पी.सी. स्वामी, इएनटी तथा मुंह-गला के ऑंकोसर्जन डॉ. महेश मोहता, प्लास्टिक एंड रिकन्स्ट्रक्टिव सर्जन डॉ. मनोज गर्ग, क्लिनिकल साइकोलोजिस्ट डॉ. मनीष अरोड़ा एवं डेंटल सर्जन डॉ. सी.पी. अग्रवाल की सेवाएं जारी हैं और प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज लाभान्वित हो रहे हैं। निकट भविष्य में यहां रेडियोथैरेपी की सुविधा भी प्रारम्भ होगी। इसके शुरू होने के बाद मरीजों एवं उनके परिजनों को इधर-उधर नहीं जाना पड़ेगा।

गौरतलब है कि देश में कुल कैंसर रोगियों में से लगभग 40 प्रतिशत मुख एवं गला के कैंसर के रोगी हैं। इनमें से करीब 80 प्रतिशत में इस रोग की प्रमुख वजह गुटखा, तम्बाकू एवं जर्दा है। प्रारम्भिक अवस्था में इसका पता लगाया जा सकता है, इससे इलाज होने की संभावना बढ़ जाती है। जन सेवा हॉस्पिटल में इस बारे में उपचार पहले से ही जारी है, कीमोथैरेपी, एन्डोस्कोपी तथा भामाशाह योजना में इलाज की सुविधा उपलब्ध है। संभाग के एकमात्र ऑंकोलोजिस्ट की सेवाएं नियमित रूप से प्रदान की जा रही है।

कैंसर को मात देने वाली महिला सम्मानित

कैंसर को मात देने वाली लगभग 55 वर्षीय महिला को पिछले दिनों जन सेवा हॉस्पिटल में सम्मानित किया गया। इसे जबड़े का कैंसर था, हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने इसका इलाज किया था। कार्यक्रम के दौरान ओरल एंड मैक्सिओ-फेसियलरी ऑंकोसर्जन डॉ. पी.सी. स्वामी, इएनटी तथा मुंह-गला के ऑंकोसर्जन डॉ. महेश मोहता, प्लास्टिक एंड रिकन्स्ट्रक्टिव सर्जन डॉ. मनोज गर्ग, क्लिनिकल साइकोलोजिस्ट डॉ. मनीष अरोड़ा एवं डेंटल सर्जन डॉ. सी.पी. अग्रवाल ने उपयोगी जानकारी देते हुए कहा कि समय पर इलाज करवाने से बीमारी को लाइलाज होने से रोका जा सकता है। इस अवसर पर तम्बाकू, जर्दा एवं गुटखा से होने वाले नुकसान का जिक्र करते हुए इनसे दूर रहने की सीख दी गई।

फेफड़े में फंसी नुकीली पिन निकालकर डॉ. अभिषेक गुप्ता ने दी मरीज को राहत

श्रीगंगानगर। टांटिया जनरल एंड मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के अस्थमा, टीबी एवं श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक गुप्ता ने एक मरीज के फेफड़े में फंसी नुकीली पिन को ब्रोंकोस्कोपी द्वारा बाहर निकालकर उसे राहत प्रदान की है। यह पिन दांत साफ करते समय मरीज के मुंह के अंदर चली गई थी और फिर बाएं फेफड़े में जाकर फंस गई। खांसी व सांस लेने में तकलीफ होने पर तत्काल मरीज को टांटिया हॉस्पिटल लाया गया, जहां सीटी स्कैन करवाने पर पिन के फेफड़े में फंसे होने का पता चला, जिसे डॉ. अभिषेक गुप्ता ने ब्रोंकोस्कोपी के जरिए बाहर निकाल दिया। पिन बाहर निकलने के बाद मरीज को सामान्य रूप से सांस आने लगा और अब वह पूर्णतया ठीक है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि टांटिया हॉस्पिटल में अस्थमा, टीबी व श्वास रोग विभाग में सभी तरह की उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों के उपकरणों की सहायता से मरीजों को आए दिन लाभान्वित किया जाता है। मरीजों के कल्याण के लिए टांटिया हॉस्पिटल में समय-समय पर निःशुल्क मेडिकल कैम्प भी लगाए जाते हैं।

डॉ. अभिषेक गुप्ता

Tantia University

Excellence Innovation Achievement

(Established by State Government Act 32 of 2013 u/s 2 (f) of UGC Act 1956)

Sri Ganganagar 335002 (Raj.)

Entrance Exam - 2020

For

Ph.D. Programme

(As per UGC Regulation)

Applications are invited for Entrance Examination for admission to Ph.D. Programme in Following Subjects

- Homoeopathy
- Ayurveda
- Physiotherapy
- Education
- Physical Edu.
- yoga
- Law
- Economics
- History
- Psychology
- Drawing & Painting
- Hindi
- Poltical Science
- Public Administrator
- English
- Geography
- Commerce & Management
- Home Sc.
- Chemistry
- Mathematics
- Computer Sc.

Details can be downloaded from www.tantiauniversity.com

Last Date For Application : 20 July 2020

(Those Appearing in Qualifying Exmination May Also apply)

Date of Entrance Exam: 26 July 2020

94140 10013, 94140 93083, 0154- 2494125, 9414093087, Toll Free- 1800-123-1981

Campus Address: Hanumangarh Road, Sri Ganganagar

वरदान बनी टांटिया यूनिवर्सिटी के होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज द्वारा नि:शुल्क बांटी गई इम्यूनिटी बूस्टर दवा

लाखों लोगों तक पहुंचाई गई होम्योपैथिक दवा के रिसर्च एंड एनालाइसिस का काम जारी, कोरोना पॉजीटिव व संभावित मरीजों के लिए है जीवनरक्षक

श्रीगंगानगर।

टांटिया यूनिवर्सिटी के होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज द्वारा विगत तीन माह के दौरान लाखों लोगों तक निःशुल्क पहुंचाई गई इम्यूनिटी बूस्टर दवा कोविड पॉजीटिव व संभावित मरीजों के लिए वरदान बन गई है। इसके विस्तृत परिणामों के अध्ययन के लिए रिसर्च एंड एनालाइसिस का काम जारी है। टांटिया यूनिवर्सिटी के वाइस-चेयरमैन डॉ. मोहित टांटिया के आह्वान पर एकेडेमिक एंड रिसर्च डायरेक्टर डॉ. प्रवीण शर्मा, प्राचार्य डॉ. चरणजीत सिंह, उप प्राचार्य डॉ. पीके चक्रवर्ती व पैथोलोजी विभाग के एचओडी डॉ. आलोक विश्वास अपनी पूरी टीम के साथ पूर्णतया निःस्वार्थ व समर्पण भाव से इस सेवाकार्य में जुटे हैं। मालूम हो कि श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल कोरोना महामारी के दौरान विषम तथा आपदा की स्थिति में अभूतपूर्व योगदान दे रहा है। सीसीआरएच तथा आयुष मंत्रालय से अनुमति मिलने के उपरांत होम्योपैथिक कॉलेज के स्टाफ सदस्य तथा विद्यार्थियों द्वारा कर्फ्यूग्रस्त क्षेत्रों, सभी क्वॉरंटिन सेंटर्स, संवेदनशील स्थानों पर मरीजों व कोरोना योद्धाओं को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु होम्योपैथिक इम्यूनिटी बूस्टर दवा का निशुल्क वितरण किया गया। इसके अलावा इस कॉलेज के स्टाफ सदस्यों तथा विद्यार्थियों द्वारा गत 3 माह से निशुल्क सर्जिकल फेस मास्क व कॉटन युक्त जीवित फेस मास्क तथा अल्कोहल बेस सैनिटाइजर का भी वितरण आमजन में निशुल्क किया जा रहा है। इसके अलावा लॉकडाउन के दौरान गरीब व मजदूर वर्ग में भोजन इत्यादि वितरण के लिए भी आर्थिक सहयोग कॉलेज द्वारा दिया गया। श्रीगंगानगर होम्योपैथिक कॉलेज द्वारा कोविड-19 पर रिसर्च के लिए एक टीम गठित की गई है, जो इस पर निरंतर अध्ययन कर अपनी रिसर्च रिपोर्ट तैयार कर रही है। श्रीगंगानगर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज द्वारा गठित 25 टीमों ने विगत दिनों में राजस्थान, पंजाब, हरियाणा तथा जम्मू राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों सहित श्रीगंगानगर के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में, बीकानेर, जयपुर, हनुमानगढ़, चूरू, जोधपुर, उदयपुर, पंजाब के अबोहर, फाजिल्का, बठिंडा, रामनगर, फिरोजपुर, हरियाणा के डबवाली, सिरसा, हिसार तथा दिल्ली व गुड़गांव के कुछ क्षेत्रों में भी इस होम्योपैथिक इम्यूनिटी बूस्टर दवा को पहुंचाने का ऐतिहासिक कार्य किया। इस दौरान प्राथमिक फीडबैक तथा रिसर्च में पाया गया कि होम्योपैथिक इम्यूनिटी बूस्टर का सेवन करने वाले लोगों में कोरोना के लक्षण नहीं पाए गए।

पुण्य स्मृति: श्रद्धेय डॉ. श्यामसुन्दर टांटिया | मार्गदर्शक: डॉ. विष्णु टांटिया | मुख्य सम्पादक: डॉ. विकास सचदेवा (मो. : 9461221718) | कार्यकारी सम्पादक: राजकुमार जैन (मो. : 8005519250) | पुण्य स्मृति: श्रद्धेय श्रीमती शकुन्तला देवी टांटिया

टांटिया समूह द्वारा जनहित में निःशुल्क प्रकाशित-प्रसारित। सर्वाधिकार सुरक्षित। बिना अनुमति, दुर्भावनावश, किसी भी अंश को काट-छांटकर या सौजन्य उल्लेख के बिना उपयोग में लाए जाने पर उपयुक्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। – मुख्य सम्पादक

मुख्य कार्यालय : टी मीडिया, द्वितीय तल, जन सेवा हॉस्पिटल, टांटिया विश्वविद्यालय परिसर, हनुमानगढ़ मार्ग, श्रीगंगानगर-335002